तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता एवं आत्मविश्वास का सहसंबंधात्मक अध्ययन

श्रीमति लक्ष्मी कोटरे

भारती विश्वविद्यालय दुर्ग छ.ग.

सारांशः– अध्ययन का उद्देश्य तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता एवं आत्मविश्वास का सहसंबंधात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में रायपुर जिले के तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में से 50 बालिका तथा 50 बालक का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। समस्या की प्रकृति के आधार पर सर्वेक्षण विधि का चुनाव किया गया है। इस अध्ययन में पाया कि तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षिक दुश्चिंता स्तर में सार्थक अंतर पाया गया साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की आत्मविश्वास स्तर में सार्थक अंतर पाया गया।

मूलशब्दः– तकनीकी षिक्षा, शैक्षिक दुश्चिंता, आत्मविश्वास, शहरी, ग्रामीण, बालक, बालिकाएँ।

प्रस्तावना:

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। आत्मविश्वास से ही विचारों की स्वाधीनता प्राप्त होती है और इसके कारण ही महान कार्यों के सम्पादन में सरलता और सफलता मिलती है, वही दूसरी ओर हम देखते हैं कि शिक्षा हमारे जीवन का अभिन्न अंग है, शिक्षा के बिना मानव का कोई अस्तित्व नहीं है, शिक्षा ही है, जिसके माध्यम से हम बालक की अन्तर्निहित ज्ञान को अभिव्यक्ति तक ले जा सकते हैं।

शैक्षिक दुश्चिंता असुखद भावात्मक अवस्था या दशा है, जिसके अंतर्गत घबराहट, आशंका तथा चिंताकुल प्रत्याशा सभी निहित होते है। शैक्षिक दुश्चिंता पूर्ण अथवा शून्य प्रत्यय नहीं है। वरन यह ऐसी दशा है जो विभिन्न मात्रा में पायी जा सकती है। शैक्षिक दुश्चिंता की अवस्था भय से मिलती है किन्तु अंतर यह है कि भय सामान्यतः किसी वस्तु की ओर उन्मुख होता है। जबकि शैक्षिक दुश्चिंता किसी विशिष्ट वस्तु से स्पष्ट रूप से संबंधित प्रतीत नहीं होती है।

संबंधित साहित्य का विवरण एवं समीक्षा :–

इस शोधपत्र से संबंधित साहित्य है जो पूर्व मे किए जा चुके है निम्नलिखित है–

1. श्रीमती अर्चना गुप्ता 2003–2004 ''हाईस्कूल स्तर पर अध्ययनरत अंतर्मुखी एवं बहिर्मुखी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके कलात्मक अभिरूचि के प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन।''
2. श्री हेमंत कुमार भुवाल 2008–2009 ''हाई स्कूल स्तर पर अध्ययनरत् शहरी एवं ग्रामीण विद्यार्थियों की हिन्दी विषय के प्रति अभिरूचि एवं शैक्षिक दुश्चिंता का तुलनात्मक अध्ययन।''
3. श्रीमती सुनीता साव 2008–2009 ''सतत एवं समग्र मूल्यांकन योजना का विद्यार्थियों की शैक्षिक दुश्चिंता 2012–2013 ''हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों की गणितीय अभिवृत्ति का उनकी शैक्षिक दुश्चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।''
4. श्री महेन्द्र कुमार सोनवानी 2012–2013 ''उच्च प्राथमिक विद्यालय के बालक/बालिका के आकांक्षा स्तर का उसकी शैक्षिक दुश्चिंता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।''

शोध के उद्देश्य :–

प्रस्तुत शोध में मेरे उद्देश्य निम्न प्रकार से है :–

1. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता का अध्ययन करना।
2. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का अध्ययन करना।
3. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र की विद्यार्थियों के शैक्षिक दुश्चिंता का अध्ययन करना।
4. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास का अध्ययन करना।
5. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता एवं आत्मविश्वास का सहसंबंध का अध्ययन करना।
6. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता एवं आत्मविश्वास का सहसंबंध का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना :–

1. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
2. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
3. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सार्थक सह–संबंध नहीं पाया जायेगा।
4. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सार्थक सह–संबंध नहीं पाया जायेगा।

न्यादर्श :–

समिष्टि में चुने प्रतिदर्श केवल रायपुर शहर के ग्रामीण व शहरी महाविद्यालयों को लिया गया है। जिसमें एक शहरी एवं एक ग्रामीण महाविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

शोध विधि :–

इस समस्या की प्रकृति के आधार पर सर्वेक्षण विधि का चुनाव किया गया है।

उपकरण :–

आत्मविश्वास का परीक्षण डी.डी. पाण्डेय द्वारा निर्मित रेडीमेंट टेस्ट शैक्षिक दुश्चिंता का परीक्षण डॉ. विशाल शुद एवं डॉ. आरती आनन्द के द्वारा निर्मित रेडीमेंट टेस्ट का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तो का विश्लेषण एवं निष्कर्ष :– परिकल्पना क्रमांक–01

1. तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक –01

क्र.	छात्राओं की संख्या	M	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	क्रांतिक अनुपात (C.R.)	T table	df	सार्थकता स्तर
1.	तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण विद्यार्थियों की संख्या	50	126	21.604	3.306	1.984	98	5
2	तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी विद्यार्थियों की संख्या	50	108.86	29.615				

विवेचना एवं निष्कर्ष :–

सारणी क्रमांक 01 के आधार पर तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता के क्रांतिक अनुपात का मान 3.306 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता का अंश 98 df 5 सार्थकता स्तर पर प्राप्तमान t का मान 1.984 से अधिक है। अतः हमारा परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

इसका तात्पर्य है कि तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता में सार्थक अंतर पाया गया, इस तरह परिकल्पना क्र. 1 की पुष्टि नहीं हुई।

परिकल्पना क्रमांक–02

तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक –02

क्र.	छात्राओं की संख्या	N	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D)	क्रांतिक अनुपात (C.R.)	T table	df	सार्थकता स्तर
1.	तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण विद्यार्थियों की संख्या	50	25.3	6.112	4.134	1.984	98	5
2	तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी	50	20.36	5.834				

	विद्यार्थियों की संख्या							

व्याख्या एवं निष्कर्ष :–

सारणी क्रमांक 02 के आधार पर तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास के क्रांतिक अनुपात का मान 4.134 प्राप्त हुआ। स्वतंत्रता का अंश 98 df 5 सार्थकता स्तर पर प्राप्तमान t का मान 1.984 से अधिक है। अतः हमारा परिकल्पना अस्वीकृत होती है।

इसका तात्पर्य है कि तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की आत्मविश्वास में सार्थक अंतर पाया गया। इस तरह परिकल्पना क्र. 2 की पुष्टि नहीं हुई।

परिकल्पना क्रमांक–03

तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सार्थक सह–संबंध नहीं पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक –03 (ग्रामीण)

चर	न्यादर्श	मध्यमान	सहसंबंध
शैक्षिक दुश्चिंता	50	108.86	0.129
आत्मविश्वास		20.36	

व्याख्या एवं निष्कर्ष :–

सारणी क्रमांक 03 के अनुसार तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सहसंबंध गैरेट गुणांक 0.129 प्राप्त हुआ जो कि df 48 पर 5 प्रतिशत विश्वास स्तर 0.195 से कम है। अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है। इस तरह परिकल्पना क्र. 3 की पुष्टि हुई।

परिकल्पना क्रमांक–04 :–

तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सार्थक सहसंबंध नहीं पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक –04 (शहरी)

चर	न्यादर्श	मध्यमान	सहसंबंध
शैक्षिक दुश्चिंता	50	126	–0.115
आत्मविश्वास		25.3	

सारणी क्रमांक 04 के अनुसार तकनीकी षिक्षा में अध्ययनरत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों में शैक्षिक दुश्चिंता व आत्मविश्वास में सहसंबंध गैरेट गुणांक –0.115 प्राप्त हुआ जो कि df 48 पर 5 प्रतिशत विश्वास स्तर 0.195 से कम है। अतः हमारी परिकल्पना सिद्ध होती है। इस तरह परिकल्पना क्र. 4 की पुष्टि हुई।

संदर्भ ग्रंथों की सूची :–

1. Gonca, U.H., (2017). Conducted a research work on " Examination of the relationship between TEOG score Transition (form Basic to secondary Education), self confidence, self efficacy and Motivational level." The research abstract published in Journal of Education and practice ISSN 2222 -1735 volume 8, No6, p36-47 2017.
2. Bekta, Iknur, yardimci, Figun (2018). Conducted a research work on "The effect of web-based education of the self confidence and anxiety levels of pediatric nursing interns in the clinical decision making process." A research published in Journal of computer Assisted learning Dec 2018, volume 34 issue 6, p 899-906, 8p.
3. Geetha, S. (2018) conducted a research work on "A survey of self confidence of B.Ed. students." Research abstract published in International journal of Education and Psychological Research volume7, issue2, June 2018 ISSN: 2349-0853, e 2279 – 0179.
4. Jaffar, A.H. , Ibrahim, H. I. , Rajadurai, J. , Sohail M. S. , (2019) Conducted a research work on " Psychological impact of work – Integrated learning program in Malaysia : The Moderating role of self esteem on Relation between self efficacy and self confidence."
5. इंटरनेट से प्राप्त गार्डनर थ्योरी।
6. भटनागर – शिक्षा मनोविज्ञान।
7. पाण्डेय, डॉ. श्रीधर – शिक्षा मनोविज्ञान एक परिचय।
8. कपील, एच.के. – अनुसंधान विधियां।

9. डॉ. अंशुमंगल – शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ (राधा प्रकाशन आगरा)।
10. पाठक, पी.डी. – शिक्षा मनोविज्ञान।
11. पाण्डेय, के.पी. – नवीन शिक्षा मनोविज्ञान।
12. सिंह, अरूण कुमार – आधुनिक सामान्य मनोविज्ञान।